CPL–01

December – Examination 2021

Certificate in Prakrit Language Examination

प्राकृत भाषा में प्रमाण-पत्र

Paper : CPL-01

प्राकृत साहित्य का इतिहास

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **5×4=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1. (i) अर्धमागधी प्राकृत नामकरण का हेतु दीजिए।

   (ii) मागधी एवं अर्धमागधी में क्या भेद है ?

(iii) शौरसेनी प्राकृत के व्याकरण ग्रन्थ का नाम लिखिए।

(iv) महाराष्ट्री प्राकृत में चिकित्सा को कैसे लिखा जायेगा ?

(v) सेतुबन्ध के रचनाकार कौन हैं ?

(vi) रामपाणिवाद कृत प्राकृत ग्रन्थ का नाम लिखिए।

(vii) पउमचरिउ में पउम कौन हैं ?

(viii) प्राकृत के किसी नायिका प्रधान चरित काव्य का नाम लिखिए।

(ix) वसुदेवहिण्डी की कथा के रचनाकार कौन हैं ?

(x) नयकाण्ड क्या है ?

खण्ड—ब **4×20=80**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. अर्धमागधी प्राकृत की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

3. सौरसेनी प्राकृत के क्रियापदों का विवेचन कीजिए।

4. महाराष्ट्री प्राकृत के साहित्य का परिचय दीजिए।

5. मृच्छकटिकम् में प्रयुक्त प्राकृत के प्रयोग को स्पष्ट कीजिए।

6. सेतुबन्ध में महाकाव्यत्व की सिद्धि विषय पर प्रकाश डालिए।

7. गउडवहो में प्रकृति-चित्रण की समीक्षा कीजिए।

8. लालावई में रस-विवेचन का वर्णन कीजिए।

9. "गाथासप्तशती मुक्तक काव्य का प्रतिनिधिग्रन्थ है।" इस पंक्ति की समीक्षा कीजिए।